सेवा में,
महामहिम राज्यपाल
उत्तर प्रदेश।

विषयः गोरखपुर और पूर्वांचल के दूसरे जिलों में साम्प्रदायिक हिंसा पर कार्रवाई के सम्बंध में

महोदय,
गोरखपुर और पूर्वांचल के दूसरे जिलों में पिछले दिनों हुई साम्प्रदायिक हिंसा के बारे में आपको भी खबर मिल रही होगी। हम, सामाजिक मुद्दों पर काम करने वाले संगठन और व्यक्ति इस स्थिति के बारे में पिछले कई सालों से आगाह करते रहे हैं। हमारा मानना है कि पूर्वांचल को पिछले आठ सालों में साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण की एक और प्रयोग भूमि के रूप में तैयार किया जा रहा है। इसका नतीजा पहले हमें मऊ और अब गोरखपुर और आसपास के जिलों में प्रत्यक्ष देखने को मिल रहा है। हालांकि पहले भी इसके संकेत कई बार मिल चुके थे।
हम सब पूर्वांचल की साम्प्रदायिक हालत को लेकर चिंतित हैं और आपसे उम्मीद करते हैं कि हमारी मांगों पर ध्यान देते हुए आप उचित कार्रवाई की पहल करेंगे।
हमारी मांग है कि -

- साम्प्रदायिक हिंसा की चपेट में आये गोरखपुर और पूर्वांचल के अन्य जिलों में सुरक्षा व्यवस्था की विफलता की जांच की जाये और दोषी अफसरों पर कार्रवाई की जाये।
- सरकार स्पष्ट करे कि गोरखपुर में साम्प्रदायिक तनाव की आशंका के बिना पर सांसद को गिरतार करने वाले अफसरों को निलम्बित क्यों किया गया?
- आमलोगों के जान व माल, धार्मिक स्थलों, मजारों और ताजिये पर हुए हमले की जांच सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवत्त न्यायाधीश से करायी जाये और पूरा ब्योरा सार्वजनिक किया जाये। इस बात की भी जांच करायी जाये कि कहीं साम्प्रदायिक हिंसा पूर्व नियोजित तो नहीं थी।
- हिंसा में जान व माल के नुकसान के लिए पीड़ितों को उसका उचित मुआवजा दिया जाये।
- संचार माध्यमों में आ रहे बयान, विश्लेषण और कई खबरें साम्प्रदायिक विद्वेष को बढ़ावा देने वाली हैं, इन पर तत्काल रोक लगायी जाये।
- महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाये।
- भाजपा सांसद योगी आदित्यनाथ और उनके संगठन हिन्दू युवा वाहिनी के पिछले आठ साल

के क्रियाकलापों, गतिविधियों, खुफिया एजेंसियों और विभिन्न अफसरों द्वारा समय-समय पर तैयार की गयी रिपोर्टों और सरकारों द्वारा उन पर की गयी कार्रवाइयों पर सरकार श्वेत पत्र जारी करे ताकि पूर्वांचल के साम्प्रदायिकरण की वजह जनता के सामने आ सके।

■ हमारा मानना है कि हिन्दू युवा वाहिनी की गतिविधियों से समाज में साम्प्रदायिक विद्वेष बढ़ रहा है। समाज में इसकी इसकी वजह से असुरक्षा की भावना बढ़ी है। इसलिए हिन्दू युवा वाहिनी पर अंकुश लगाया जाये और उस पर कानूनी कार्रवाई की जाये।

■ शांति भंग और हिंसा में भाग लेने के आरोप में गिरफ्तार भाजपा सांसद और हिन्दू युवा वाहिनी के नेताओं का जिस तरह जेल में सेवा-सत्कार हो रहा है, उसे तुरंत बंद किया जाये।

सभी संगठनों की ओर से

आली, मैसवा, हमसफर, इप्टा, एपवा, आगाज-ए-इंसाफ, आशा, सहयोग, साझी दुनिया, वनांगना

सम्पर्क के लिए

प्रोफेसर रूपरेखा वर्मा (9335905337)

जशोधरा (9415410153)

नासिरूद्दीन (9450931764)